13/08
(M)

The question paper contains 2 printed page

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sl. No. of Question Paper : 5343

Unique Paper Code : **12101401 (CORE)**

Name of the Paper : **Text of Indian Philosophy (LOCF)**

Name of the Course : **B. A. (Hons.)**

Semester : **IV**

Duration : **3.5 Hours** Maximum Marks : **75**

Instructions for Candidate

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Answer may be written either in English or Hindi : But the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions. All questions carry equal marks :

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें, सभी के अंक समान है।

1. Explain the introductory verse of *Nyāyabindutīkā*: *"All successful human action is preceded by right knowledge"*.
"सभी पुरुषार्थों की सिद्धि यथार्थ ज्ञान के निमित्त से होती है।" न्यायबिंदुटीका के इस परिचयात्मक पद की व्याख्या कीजिये।

2. Explain *"Pratyakṣamkalpanāpoḍham"* Why did Dharmakīrti add *"Abhrāntam"* to the above definition of Dignāga?
"प्रत्यक्षम्कल्पनापोढम" की व्याख्या कीजिये। धर्मकीर्ति ने दिग्नाग की इस परिभाषा में "अभ्रान्तम" को क्यों जोड़ा?

3. Describe different varieties of Direct Knowledge in view of *Nyāyabindutīkā*.

न्यायबिन्दु के परिप्रेक्ष्य में प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए

4. Explain Jayanta Bhatta's refutation of the Buddhist hypothesis that '*Tadātmya*' (Law of Identity) and '*Tadutpatti*' (Causality) constitute the ground of the relation of Invariable Concomitance.
जयंत भट्ट की बौद्ध परिकल्पना के खंडन की व्याख्या कीजिए कि 'तदात्म्य' (अनन्यता का नियम) और 'तदुपत्ति' (कारण-कार्य) अपरिवर्तनीय संयोग के संबंध का आधार हैं

5. Explain the concept of Testimony with reference to *Śābarabhāṣya*.
शाबरभाष्य के संदर्भ में शब्द प्रमाण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए

6. Discuss the nature and kinds of '*Naya*' with reference to *Syādvādamañjarī*.
स्याद्वादमञ्जरी के संदर्भ में 'नय' के स्वरूप और प्रकारों की चर्चा कीजिए

7. Write Short Notes on any **two** of the following.
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

a) *"Tat Pūrvakam Anumānam"*(*Nyāyamañjarī*)
"तत् पूर्वकम अनुमानम्" (न्यायमञ्जरी)

b) *Vidhi* (*Śābarabhāṣya*)
विधि (शाबरभाष्य)

c) *Durnaya* and *Pramāṇa*(*Syādvādamañjarī*)
दुर्नय और प्रमाण (स्याद्वादमंञ्जरी)

d) Word -Meaning relation(*Śābarabhāṣya)*
शब्द–अर्थ सम्बन्ध (शाबरभाष्य)